RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 18 SEPTEMBER TO 24 SEPTEMBER 2019 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 05 ■ अंक 4 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

ऊबर ने इंदौर में अपनी मौजूदगी को बनाया सशक्त ऑटो कारोबार में दो अंकों के विकास की योजना

Page 2

फोर्ड ने भारतीय रोड यूज़र्स से 'पॉज़,रिफ्लेक्ट और डिस्कवर' करने का आग्रह किया

Page 3

अमेजन की एलेक्सा अब हिंदी में सुनेगी आपके निर्देश

Page 5

editoria!

तेल पर आफत

दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी के दो कुओं पर ड्रोन हमले के बाद दुनिया भर में तेल की कीमतें बढ़ने लगी हैं और विश्व अर्थव्यवस्था के डगमगाने का खतरा पैदा हो गया है। अभी क्रूड ऑयल की कीमतें सन 1991 में बढ़ी कीमत के बराबर पहुंच चुकी हैं। सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी अमराको के अब्कैक और खुरैस तेल संयंत्रों पर हुए हमले की आंच भारत तक पहुंच चुकी है और यहां भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी हुई। अमेरिका और चीन के बीच जारी ट्रेड वार से बिगड़ी दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह हमला एक बड़ा आघात है, जिसकी जिम्मेदारी यमन के विद्रोही ग्रुप हूती ने ली है। खाड़ी देशों में हूती अंसार अल्लाह के नाम से जाना जाता है, जिसका अर्थ ईश्वर के समर्थक होता है। ये लोग पिछले चार महीने में सऊदी अरब में अलग-अलग छह जगहों पर हमला कर चुके हैं और 2015 से ही अरब के साथ युद्ध कर रहे हैं। सऊदी अरब का आरोप है कि हूतियों से यह हमला ईरान ने कराया, जबकि अमेरिका ने सैटेलाइट इमेज जारी करके यह बताने की कोशिश की है कि तेल कुओं पर हमला करने वाले ड्रोन यमन की ओर से नहीं बल्कि ईरान या इराक की दिशा से आए। ईरान ने सभी आरोपों से इंकार तो किया, लेकिन पाक-साफ वह भी नहीं है। इसी साल वहां के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खमैनी ने हूती के प्रवक्ता को बुलाकर उसे 'पवित्र योद्धा' कहा था। इस हमले के बाद अमेरिका ने ईरान पर जुबानी हमले तेज कर दिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यहां तक कह दिया कि उनकी सेना हमले के लिए पूरी तरह से तैयार है तो ईरानी सरकार ने भी कहा कि अगर वे तैयार हैं तो जान लें कि उनका हर सैन्य अड्डा ईरान से महज दो हजार किलोमीटर की दूरी पर है। सच्चाई यह है कि कोई भी मुल्क इस समय जंग लड़ने की हालत में नहीं है लेकिन उनका शासक वर्ग अपने निहित स्वार्थों के लिए युद्ध का माहौल बनाए रखना चाहता है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बहरहाल सऊदी अरब का कहना है कि उसे कुओं की मरम्मत में दो दिन का वक्त लगेगा, पर जानकारों के मुताबिक इनकी मरम्मत में दो हफ्ते से लेकर महीने भर का वक्त लग सकता है और तब तक उनका तकरीबन आधा प्रॉडक्शन रुका रहेगा। ऐसे में तेल की कीमतों को और बढ़ने से रोक पाना बेहद कठिन होगा क्योंकि वे पहले से ही अनियंत्रित होकर वायदा बाजार के हवाले हैं। कुल मिलाकर खाड़ी में भारी उथल-पुथल मची है, जो पूरी दुनिया को मुश्किल में डाल सकती है। बेहतर होगा कि वहां बातचीत से मसला सुलझाया जाए। अमेरिका और ईरान में किसी न किसी रूप में वार्ता चल रही है, जो किसी ठोस नतीजे पर पहुंचनी चाहिए। विश्व बिरादरी इस मामले में आगे आए और सभी पक्षों को मिलजुल कर समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए प्रेरित करे।

अमेरिका ने भारत को रियायती शर्तों पर तेल देने का दिया संकेत

रूस पहले ही कर चुका है सहयोग की घोषणा

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका, भारत को रियायती शर्तों पर अपने भंडार से तेल और गैस की आपूर्ति की पेशकश कर सकता है। सऊदी अरामको के ऑयल फैसेलिटी पर ड्रोन हमले के बाद दुनियाभर में तेल की आपूर्ति में कमी को देखते हुए भारत के रिजर्व में किसी तरह की कमी ना हो, इसको लेकर अमेरिका की तरफ से ऐसा ऑफर दिया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि भारत के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल की अमेरिका यात्रा के दौरान आपूर्ति से जुड़े विवरण पर विस्तार चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में यह प्रतिनिधिमंडल अमेरिका जाएगा। इस यात्रा की शुरुआत 21 सितंबर से हो रही है।

इस दौरान वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में बड़ी संख्या में भारतीय उद्योगपति भी शामिल होंगे। इसमें पब्लिक एवं प्राइवेट सेक्टर की तेल कंपनियों के प्रमुख भी शामिल हैं। राजनयिक सूत्र ने बताया कि भारतीय तेल कंपनियां घरेलू डिमांड को पूरा करने के लिए तेल आयात में बढ़ोत्तरी को लेकर अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ एमओयू कर सकते हैं। एक सूत्र ने कहा कि सऊदी अरब भारत की तेल संबंधी जरूरतों के 20 फीसद की आपूर्ति करता है। उसने कहा कि आपूर्ति में किसी तरह की दिक्कत आने पर अमेरिका विश्वस्त सहयोगी की भूमिका निभा सकता है। भारत ने रूस से भी तेल आपूर्ति बढ़ाने का आग्रह किया है। रोजनेफ्ट पीजेएससी ने भारत को सहयोग करने पर सहमति जताई है। रोजनेफ्ट के चेयरमैन आईगर सेचिन ने पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ मंगलवार को बैठक के दौरान इस बात को लेकर सहमति जताई। सूत्र ने बताया कि अमेरिका, भारत को तेल की आपूर्ति के लिए वो रियायतें दे सकता है, जो ईरान से भारत को मिलता खा। ईरान सस्ती ढुलाई और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और नयारा एनर्जी जैसे प्रमुख आयातकों को 60 दिन का क्रेडिट जैसी सुविधाएं देता था। राजनयिक सूत्र ने कहा कि ऑफर को लेकर बात चल रही है और डेलिगेशन लेवल बैठक के दौरान इस पर आगे का काम होगा।

सऊदी अरब के तेल संयंत्रों पर हमले के वैश्विक प्रभाव होंगे: अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन। एजेंसी

सऊदी अरब के तेल संयंत्रों पर हमले के वैश्विक प्रभाव होंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके दुष्प्रभावों को देखते हुये संयुक्तराष्ट्र को अपनी भूमिका अदा करनी चाहिए। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो की जेद्दाह की यात्रा शुरू होने के साथ ही अमेरिका की ओर से यह बयान आया है। पॉम्पियो जेद्दाह में सऊदी अरब के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत करेंगे। सऊदी अरब, अमेरिका के साथ मिलकर 2015 से यमन में ईरान समर्थित हुती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान चला रहा है। हुती ने शनिवार को सऊदी अरब में तेल शोधन संयंत्रों पर दो हमले की जिम्मेदारी ली है। इस हमले से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है। हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका दोषियों को जानता है। अमेरिकी सेना कार्रवाई के लिए 'तैयार' है। अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया पॉम्पियो सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में अबूधाबी की यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा, '' सऊदी अरब पर हमला हुआ है, जिसके वैश्विक प्रभाव होंगे। संयुक्तराष्ट्र सुरक्षा परिषद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा पर हुये आघात का समाधान करने के लिए बनाया गया है और यह हमला इसी श्रेणी में आता है।'' पॉम्पियो 18 सितंबर को ही जेद्दाह पहुंचेंगे। अमेरिका के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मॉर्गन ऑर्टागस ने कहा, कि वह सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात कर हालिया हमलों पर चर्चा करेंगे। क्षेत्र में ईरान के बढ़ते आक्रामक रुख से निपटने के बारे में भी बात करेंगे।'' उन्होंने अपने बयान में बताया कि इसके बाद पॉम्पियो अबू धाबी जाकर संयुक्त अरब अमीरात के शहजादे मोहम्मद बिन जायद से क्षेत्रीय एवं द्विपक्षीय मुद्दों पर बात करेंगे।

कुछ मीडिया रपटों में कहा गया है कि ट्रंप सरकार ईरान को मुंहतोड़ जवाब देने की योजना बना रही है। तेल संयंत्रों पर हमले के बाद पश्चिमी एशिया में तनाव बढ़ गया है। नाम नहीं बताने की शर्त पर अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक अमेरिका संयुक्तराष्ट्र सुरक्षा परिषद की भूमिका की ओर देख रहा है। सऊदी अरब पर हमला हुआ है। ऐसे में सुरक्षित परिषद की बैठक बुलाना उचित है। हमें सुरक्षा परिषद की भूमिका का इंतजार करना चाहिए। लेकिन हमें पहले सार्वजनिक करने लायक जानकारी जुटाने की जरूरत है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई। देश का शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 82.79 अंकों की तेजी के साथ 36,563.88 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 23.05 अंकों की बढ़त के साथ 10,840.65 के लेवल पर बंद हुआ। शेयर बाजार में सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। कारोबार के समय एक समय सेंसेक्स अभी 91.63 अंकों की तेजी के साथ 36,572.72 और निफ्टी करीब 20 अंकों की बढ़त के साथ 10,837.40 के लेवल पर कारोबार करता दिखा। सेंसेक्स सुबह 140.29 अंकों की मजबूती के साथ 36,621.38 पर, जबकि निफ्टी 55.2 अंकों की बढ़त के साथ 10,872.80 पर खुला। मंगलवार को शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 642.22 अंकों की गिरावट के साथ 36,481.09 और निफ्टी 185.90 अंकों की गिरावट के साथ 10,817.60 पर बंद हुआ। एक समय सेंसेक्स 662 अंकों की गिरावट के साथ सेंसेक्स 36500 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। कल शेयर बाजार पर कारोबार के दूसरे दिन मंगलवार को भी दबाव नजर आया। बुधवार को बैंकिंग, ऑटो, मेटल और आईटी शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। रुपया भी डॉलर के मुकाबले 71.88 के स्तर पर पहुंच गया।

ऊबर ने इंदौर में अपनी मौजूदगी को बनाया सशक्त ऑटो कारोबार में दो अंकों के विकास की योजना

डॉक ऐप का किया लॉन्च, शहर में अपने ड्राइवर पार्टनर्स के कल्याण के लिए अनूठी पहल

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

दुनिया की सबसे बड़ी पर्सनल मोबिलिटी कंपनी ऊबर ने इंदौर के निवासियों के लिए यात्रा को आसान बनाने की योजना बनाई है, इस के साथ कंपनी ने ऊबर ऑटो कारोबार में दो अंकों के विकास का लक्ष्य तय किया है। छोटी सी समय अवधि में शहर में ऊबर ऑटो परिवहन का सबसे लोकप्रिय विकल्प बन गया है। अपने आसान पिक-अप, सहज राईड्स और डिजिटल पेमेंट के विकल्पों के साथ ऊबर ऑटो इंदौर के निवासियों के लिए परिवहन का लोकप्रिय साधन बन चुका है। ऊबर ऑटो ड्राइवर पार्टनर्स को भी बेहतर कमाई का अवसर देता है और समय के बेहतर इस्तेमाल द्वारा उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता में सुधार लाता है।

इसके अलावा, अपने ड्राइवर पार्टनर्स के लिए प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए ऊबर ने एक अनूठी पहल 'डॉक ऐप' का लॉन्च भी किया है। 'डॉक ऐप' एक निःशुल्क सेवा है जिसके द्वारा ड्राइवर फोन कर मेडिकल कन्सलटेशन पा सकते हैं, साथ ही फ्री होम डिलीवरी के साथ दवाओं पर 25 फीसदी छूट तथा डायग्नॉस्टिक्स टेस्ट पर 40 फीसदी तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह सेवा कंपनी के ड्राइवर पार्टनर्स के लिए उपलब्ध होगी और पार्टनर के परिवार के पांच सदस्य भी इसका लाभ उठा सकते हैं। इंदौर में विस्तार की योजनाओं पर बात करते हुए कृष्णा वीर, हैड ऑफ वैस्ट, इण्डिया एसए राईड शेयरिंग ने कहा, "पिछले चार सालों के दौरान ऊबर इंदौर में और इसके आस-पास के इलाकों में परिवहन में काफी बदलाव लाई है। क्षेत्र एवं यहां के निवासियों की यात्रा संबंधी ज़रूरतों को समझते हुए ऊबर ने अपने प्रमुख उत्पादों के साथ राइडरों को मात्र एक बटन के टैप पर यात्रा के सहज एवं भरोसेमंद विकल्प प्रदान किए हैं, साथ ही ड्राइवर पार्टनर्स को भी कमाई के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर सषक्त बनाया है।" भारत में मल्टी-मॉडल मोबिलिटी समाधान जैसे ऑटो उपलब्ध कराने के उद्देष्य के साथ, हम अपनी अब तक की यात्रा को लेकर बेहद उत्साहित हैं, तथा उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपनी सेवाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध हैं।" वीर ने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा। पिछले चार सालों के दौरान ऊबर ने इंदौर में यात्रा के कई विकल्प पेष किए हैं जिसमें ऊबरगो, प्रीमियर, इंटरसिटी और ऊबर ऑटो शामिल हैं। ये विकल्प शहर के निवासियों को परिवहन के भरोसेमंद, सहज एवं किफ़ायती समाधान उपलब्ध कराते हैं।

सऊदी हमला: कच्चे तेल के उत्पादन का आधा हिस्सा बहाल, सितंबर तक सामान्य हो जाएगा प्रोडक्शन

नई दिल्ली। एजेंसी

सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री अब्दुल अजीज बिन सलमान ने कहा कि तेल शोधन इकाइयों पर ड्रोन हमले के बाद दैनिक कच्चे तेल उत्पादन के आधे से ज्यादा हिस्से को फिर से बहाल कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि निशाना बनाए गए संयंत्रों की उत्पादन क्षमता को सितंबर अंत तक पूरी से बहाल कर लिया जाएगा। सलमान ने मंगलवार को कहा , ' आपको इस दुनिया में ऐसी कंपनी कहां मिलेगी जो इस तरह के घातक हमले से गुजरी हो और फीनिक्स पक्षी की तरह से फिर से उठ खड़ी हो?' दुनिया के सबसे बड़े तेल शोधन संयंत्र अब्कैक और खुरैस तेल क्षेत्र में ड्रोन से हुए हमले के कारण प्रतिदिन 57 लाख बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने का अनुमान लगाया जा रहा है। यह कुल वैश्विक उत्पादन का करीब पांच प्रतिशत है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सऊदी अरामको इस महीने अपने कच्चे तेल के भंडार से तेल निकालकर और अन्य तेल क्षेत्रों से अतिरिक्त कच्चे तेल के उत्पादन की पेशकश करके ग्राहकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखेगा।

अब्दुलअजीज ने कहा कि सितंबर अंत तक उत्पादन क्षमता प्रतिदिन 1.1 करोड़ बैरल कर ली जाएगी और नवंबर में यह 1.2 करोड़ डॉलर प्रतिदिन हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अब्कैक तेल शोधन इकाई की मौजूदा उत्पादन क्षमता 20 लाख बैरल प्रतिदिन है। सऊदी अरब पर हमले के बाद कारोबारी के पहले दिन सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में 14 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया था। यह कई सालों में एक दिन की सबसे बड़ी वृद्धि है। सऊदी अरब में तेल उत्पादन में जल्द सुधार आने की उम्मीदों की खबरों से मंगलवार को तेल की कीमतों में गिरावट आई। ब्रेंट कच्चा तेल छह प्रतिशत गिरकर 64.89 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी तेल 5.4 प्रतिशत गिरकर 59.50 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

ONGC को मिलेगी पन्ना-मुक्ता ऑयल फील्ड

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार पन्ना-मुक्ता ऑयल फील्ड चलाने का जिम्मा ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ONGC) को देगी। ONGC के एक अधिकारी ने बताया कि इस ऑयल फील्ड के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज और शेल का कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर में खत्म हो जाएगा और उसके बाद ONGC इस फील्ड को ऑपरेट करेगी।

पन्ना, मुक्ता और ताप्ती (PMT) फील्ड्स में रिलायंस और शेल के पास 30-30 प्रतिशत पार्टिसिपेटिंग इंटरेस्ट है। बाकी 40 प्रतिशत ONGC के पास है। तीन साल पहले ताप्ती से प्रॉडक्शन बंद हो गया था, वहीं बाकी दोनों फील्ड्स में उत्पादन तेजी से घट रहा है। इसे देखते हुए रिलायंस और शेल ने दिसंबर में 25 साल की लीज पूरी होने पर ये फील्ड्स छोड़ देने का निर्णय किया है। इसे देखते हुए सरकार ने ONGC को निर्देश दिया कि वह 21 दिसंबर को दोनों प्राइवेट कंपनियों के हट जाने के बाद पन्ना और मुक्ता फील्ड्स को ऑपरेट करे। अधिकारी ने बताया कि ध्ऊण इन दोनों फील्ड्स पर अपनी टीम तैनात करने की तैयारी कर रही है। इन फील्ड्स का जिम्मा मिलने के बाद ONGC इनसे हो सकने वाले उत्पादन और निवेश की जरूरत का आकलन करेगी। इन फील्ड्स से होने वाले उत्पादन पर रॉयल्टी और सेस चुकाना होगा, जैसा कि किसी भी नॉमिनेशन फील्ड से होने वाले उत्पादन के बारे में करना होता है। पन्ना और मुक्ता से अप्रैल-जून तिमाही में 8.4 लाख बैरल क्रूड ऑयल और 11.2 अरब घन फुट नेचुरल गैस का उत्पादन हुआ था। यह जानकारी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी अर्निंग्स रिपोर्ट में दी है। ताप्ती फील्ड की कुछ फैसिलिटीज ONGC को दी जा चुकी हैं। इश्ऊ फील्ड्स बॉम्बे हाई फील्ड्स के पास हैं। ONGC ने ही इन्हें खोजा था, लेकिन निजीकरण के अभियान के तहत सरकार ने 1994 में इन्हें रिलायंस इंडस्ट्रीज और एनरॉन के समूह को दे दिया था। एनरॉन का हिस्सा अभी शेल के पास है।

रिलायंस और शेल का अभी PMT फील्ड्स से होने वाली कमाई में सरकार की हिस्सेदारी को लेकर सरकार से मुकदमेबाजी चल रही है। ONGC इस मुकदमेबाजी में शामिल नहीं है, लेकिन इसका जो भी निर्णय होगा, उसका वह पालन करेगी। पिछले साल ऑयल मिनिस्ट्री ने रिलायंस, शेल और ध्ऊण को आदेश दिया था कि वे इश्ऊ फील्ड्स से बढ़ी हुई अर्निंग्स में सरकारी हिस्से के रूप में कुल 3.8 अरब डॉलर का भुगतान करें। यह आदेश एक मुकदमे में सरकार के पक्ष में आए आदेश के बाद दिया गया था। रिलायंस और शेल ने ब्रिटेन की एक अदालत में इसे चुनौती दी, जिसने आर्बिट्रेशन पैनल के निर्णय को अधिकतर पहलुओं पर सही ठहराया, लेकिन यह मसला दोबारा ट्राइब्यूनल के पास भेज दिया कि कंपनियां कितनी डिवेलपमेंट कॉस्ट रिकवर कर सकती हैं। ट्राइब्यूनल इस पर सुनवाई कर रहा है। इन फील्ड्स से रिलायंस और शेल के निकल जाने का फाइनल आर्बिट्रेशन अवॉर्ड पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

सोना और चांदी दोनों में आई गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी

सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई है। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के अनुसार, सोने में 215 रुपये की गिरावट आई है। भाव में इस गिरावट के कारण राष्ट्रीय राजधानी में 10 ग्राम सोने की कीमत अब 38,676 रुपये हो गई है। सोने के भाव में यह गिरावट रुपये में मजबूती और क्रूड ऑयल की कीमतों में गिरावट देखे जाने के कारण आई है। गौरतलब है कि मंगलवार को सर्राफा बाजार में सोने का भाव 38,891 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

दिल्ली में 24 कैरेट सोने के भाव में भी गिरावट आई है। इसमें भी 215 रुपये की गिरावट आई है। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के सीनियर विश्लेषक तपन पटेल के अनुसार, बुधवार को क्रूड ऑयल में गिरावट के कारण रुपये में मजबूती देखी गई है और रुपये में मजबूती से सोने की कीमतें कम हुई हैं। सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में भी बुधवार को गिरावट दर्ज हुई है। चांदी में 770 रुपये की गिरावट आई है। भाव में इस कमी से राष्ट्रीय राजधानी में एक किलो चांदी की कीमत अब 47,690 रुपये हो गई है। गौरतलब है कि मंगलवार को चांदी 48,460 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

वैश्विक रुख की बात करें, तो न्यूयॉर्क में सोना बुधवार को गिरावट के साथ 1,500 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी भी गिरावट के साथ 17.81 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। क्रूड ऑयल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का आकर्षण घटने और भारतीय शेयर बाजार में बजबूती से बुधवार को एक डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 35 पैसे की मजबूती के साथ 71.43 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में हीरो मोटो कॉर्प 4.4 फीसदी, एक्सिस बैंक 3.75 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, ऑटो बजाज, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, मारुति, एचडीएफसी और भारती एयरटेल में 2 से 3 फीसदी की गिरावट देखते को मिली। वेदांता, गेल, टाइटन, एशियन पेंट्स और यस बैंक के शेयरों में थोड़ी तेजी देखने को मिली।

फोर्ड ने भारतीय रोड यूज़र्स से 'पॉज़,रिफ्लेक्ट और डिस्कवर' करने का आग्रह किया

पेश किया डिस्कवर बैंड

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए, फोर्ड इंडिया ने एक अद्वितीय डिस्कवर बैंड प्रस्तुत किया। यह अंगूठे के लिए एक इलास्टिक स्ट्रैप है, जो ड्राईविंग की जिम्मेदार आदतों को प्रोत्साहित कर सड़कों को सुरक्षित बनाएगा। फोर्ड डिस्कवर बैंडे ड्राईवर्स को निरंतर 'पॉज़, रिफ्लेक्ट एवंडिस्कवर' की याद दिलाते रहने के लिए डिज़ाईन किया गया है, ताकि वो रोडरेज़ में सम्मलित न हों एवं सड़क पर जिम्मेदार रहें जैसे की न तो वो अनावश्क रूप से हॉर्न बजाएं, न गलत साईड में ड्राईव करें, परेशानी से पीड़ित लोगों की मदद करें तथा सुनिष्चित करें कि बच्चे कार में पीछे की ओर बैठें। राहुल गौतम, वाईसप्रेसिडेंट, मार्केटिंग, फोर्ड इंडिया ने कहा, ''फोर्ड डिस्कवर बैंड सड़क पर चलने वाले लोगों को निरंतर याद दिलाता है कि वो सदैव सही व्यवहार करें और जानें कि परिवर्तन की शुरुआत उनसे स्वयं से होती है।'' उन्होंने कहा, हमारे अंगूठे पर लगा डिस्कवर बैंड हमें अपने दैनिक व्यवहार में मानवीयता अपनाने की याद दिलाता रहेगा। यह एक संकल्प के साथ आता है, जो यूज़र्स से ड्राईव करते वक्त शांत, उदार और जिम्मेदार बनने का आग्रह करता है और उन्हें खुद के अंदर की ज्यादा खोज करने में मदद करता है।'' भविष्य के ड्राईवर्स में अच्छी आदतों का विकास हो, यह सुनिश्चित करने के लिए फोर्डनिकल ओडियन के साथ पार्टनरशिप में अपने सुरक्षा के संदेश के साथ भारत के 650 स्कूलों में 500,000 से अधिक बच्चों तक पहुंच रहा है। कंपनी बच्चों को डिस्कवर बैंड वितरित करेगी ताकि वो अपने परिवारों को सड़क पर सही व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित कर सकें। ये बैंड फोर्ड की सभी डीलर शिप्स पर ग्राहकों को भी विस्तृत किया जा रहे हैं। डिस्कवर बैंड को फोर्ड के 'डिस्कवरमोरइन यू' अभियान के तहत अवधारित किया गया है, जो बदलते भारत को दर्शाता है, जिस में लोग अपने अंतर्मन की खोजकर अपने आसपास की दुनिया में परिवर्तन ला रहे हैं।

यह अभियान तीन विचारोत्तेजक कमर्षियल्स के साथ प्रारंभ हुआ, जिनमें समाज की उन मुख्य समस्याओं व व्यवहारों को छुआ गया है, जो अक्सर नजरंदाज हो जाते हैं। केवल डिस्कवर मोर अभियान ही नहीं, फोर्ड सुरक्षित एवं स्वच्छ सड़कों कासमर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है तथा अपने दीर्घकालिककी टेंसी अभियान के द्वारा लोगों को स्वयं के अंदर की खोज करने में मदद करता है। यह अभियान लोगों को अन्य लोगों के प्रतिविनम्र एवं आदर पूर्ण बनाने पर केंद्रित है, फिर चाहे वो पैदल चालक हों या फिर ड्राईवर।

इंडिया पोस्ट ने 6 नए देशों के लिए शुरू की स्पीड पोस्ट सेवा, जल्द और सस्ते में पहुंचेगा सामान

नई दिल्ली। एजेंसी

इंडिया पोस्ट ने बुधवार को एशिया, यूरोप और दक्षिण अमेरिका के छह नए देशों के लिए स्पीड पोस्ट सेवा शुरू करने की घोषणा की। विभाग ने एक बयान में कहा, 'हमने अंतरराष्ट्रीय स्पीड पोस्ट में बोस्निया और हर्जेगोविना, ब्राजील, इक्वाडोर, कजाखस्तान, लिथुआनिया और उत्तरी मेसोडोनिया के लिए (ईएमएस) सेवा प्रारंभ करने की घोषणा की है।' ईएमएस यानी एक्सप्रेस मेल सर्विस प्रीमियम सेवा है। इसमें लोग अपने दस्तावेज अधिक तेजी से डेस्टिनेशन तक भेज सकते हैं। उपभोक्ता इंटरनेट पर भेजे गए सामान की जानकारी भी ले सकते हैं। डाक विभाग ने बयान में कहा कि इस सुविधा से इन देशों में रहने वालों लोगों के साथ संपर्क में मजबूती आएगी और व्यापार में वृद्धि होगी क्योंकि ईएमएस छोटे तथा मझोले उद्यमों के लिए लोकप्रिय माध्यम है। इन देशों के लिए ईएमएस सेवा देश के प्रमुख डाकघरों में उपलब्ध होगी। भारतीय डाक की वेबसाइट के अनुसार अभी 100 देशों के लिए स्पीड पोस्ट सेवा उपलब्ध है।

ODI पर RBI की गुगली से कंपनियां फंसीं

मुंबई। एजेंसी

आरबीआई की एक राय कई कंपनियों को ओवरसीज डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (ODI) से जुड़ी अपनी योजना बदलने पर मजबूर कर सकती है। यही नहीं, कुछ कंपनियों को योजना छोड़नी भी पड़ सकती है। ध्ध्ध पर आरबीआई ने कुछ महीने पहले 'फ्रिक्वेंटली आस्क्ड क्वेश्चंस' का एक सेट जारी किया था। इसके अनुसार, कोई भी भारतीय कंपनी ऐसी किसी विदेशी कंपनी में स्टेक नहीं ले सकती है, जिसका किसी भारतीय इकाई में निवेश हो। यह बात तब भी लागू होगी, जब कोई भारतीय कंपनी किसी विदेशी कंपनी में ठीकठाक हिस्सा खरीदे और उस विदेशी कंपनी का किसी अन्य भारतीय कंपनी में माइनॉरिटी स्टेक हो या वह ऐसा स्टेक ले। इस नियम का मकसद फंड की राउंड ट्रिपिंग पर लगाम कसना और विदेश में लिए गए सस्ते कर्ज को फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट के रूप में भारत लाने से रोकना है, लेकिन यह नियम वाजिब ODI पर भी असर डाल सकता है। यह आरबीआई का अघोषित रुख रहा है, लेकिन पहली बार उसने इसे लिखित तौर पर सामने रख दिया है। आरबीआई के अनुसार, 'रेजिडेंट्स को फॉरन सिक्योरिटी ट्रांसफर या इश्यू करने से जुड़े प्रावधान किसी भी भारतीय पक्ष को अपने पूर्ण स्वामित्व वाली विदेशी सब्सिडियरी या जेवी के जरिए इंडियन सब्सिडियरी स्थापित करने

की इजाजत नहीं देते हैं। ये प्रावधान इंडियन पार्टी को पूर्ण स्वामित्व वाली ऐसी सब्सिडियरी खरीदने या ऐसे जेवी में निवेश करने की भी इजाजत नहीं देते हैं, जिसका पहले ही भारत में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निवेश हो।'

एक शेयर होल्ड करने को भी जेवी माना जाता है। इन हालात में ऑटोमैटिक ODI रूट के जरिए किसी विदेशी कंपनी में एक या दो प्रतिशत शेयर खरीदने वाली भारतीय कंपनी को भी यह पक्के तौर पर देखना होगा कि विदेशी कंपनी का किसी दूसरी भारतीय इकाई में न तो स्टेक हो और न ही वह ऐसी इकाई में निवेश करे, भले ही वह दूसरे बिजनस ग्रुप की हो।

लॉ फर्म एलऐंडएल पार्टनर्स के पार्टनर संदीप डुडेजा ने कहा कि आरबीआई ने इस क्लैरिफिकेशन के जरिए कुछ विदेशी स्ट्रक्चर्स पर लगाम कसने की कोशिश की है, जो मुख्यतौर पर इंडियन ऐसेट्स होल्ड करने और टैक्स सिस्टम से फायदा लेने के लिए बनाए जाते हैं, लेकिन FAQ की शब्दावली अपने आप में दुविधा पैदा करती है। उन्होंने कहा, 'राउंड ट्रिपिंग पर काबू पाने की कोशिश में दुर्भाग्य से आरबीआई ने अनजाने में कई मौजूदा वैध कॉर्पोरेट स्ट्रक्चर्स पर सवाल उठा दिया है। साथ ही, इसे कानून में बदलाव न कहकर FAQ के रूप में पेशकर आरबीआई ने पिछले ट्रांजैक्शंस को सवालों के घेरे में ला दिया है।' प्रतिबंध की यह बात अब भी FAQ का ही हिस्सा है और आरबीआई के किसी सर्कुलर में इसे शामिल नहीं किया गया है। हालांकि सतर्कता बरतने वाले कुछ विदेशी बैंक FAQ को रेगुलेटरी निर्देश की तरह देखते हैं। उन्होंने इसके बाद भारतीय पक्षों से यह आश्वासन या हलफनामा मांगा है कि जिन विदेशी कंपनियों में उनका निवेश है या जिनमें वे निवेश करने जा रहे हैं, वे भारत में निवेश नहीं करेंगी। एक बैंकर ने कहा, 'कुछ मामलों में इससे फॉरन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट पर भी असर पड़ सकता है।'

एनर्जी, मेटल कंपनियों के शेयर सुधरे

नई दिल्ली। एजेंसी

वैश्विक स्तर पर क्रूड ऑयल के दाम में नरमी और एनर्जी, मेटल और पावर सेक्टर की कंपनियों के शेयरों की लिवाली से बीएसई सेंसेक्स बुधवार को 83 अंक चढ़कर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 31 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। इस तरह शेयर बाजार मंगलवार के शॉक से उबरते हुए दिखाई दिए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 82.79 अंक या 0.23 फीसद की बढ़त के साथ 36,563.88 अंक पर और निफ्टी 31.05 अंक चढ़कर 10,848.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स पर टाटा स्टील, वेदांता, एसबीआई, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एशियन पेट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और पावरग्रिड के शेयरों में तेजी देखी गयी। वहीं दूसरी तरफ ओएनजीसी, यस बैंक, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा और मारुति के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरामको के ऑयल फैसिलिटी पर हमले के बाद पैदा हुए भूराजनीतिक तनाव के कारण सेंसेक्स में पिछले दो सत्र में दो फीसद से अधिक की गिरावट दर्ज की गयी थी। लेकिन सऊदी अरब के एनर्जी मिनिस्टर के उस बयान के बाद क्रूड ऑयल की कीमतों में नरमी आई कि ड्रोन हमले के कारण उत्पादन में आई कमी में से आधी कमी को पूरा कर लिया गया है। इसके बाद बुधवार को सेंसेक्स हरे निशान के साथ बंद हुआ।इसके बाद ब्रेंट क्रूड का फ्यूचर 0.95 फीसद की गिरावट के साथ 63.94 डॉलर प्रति बैरल रह गया। इसके चलते रुपये 52 पैसे मजबूत होकर 71.26 रुपये प्रति डॉलर हो गया।

इसरो, डीआरडीओ ने 'गगनयान' मिशन के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 'गगनयान' परियोजना के लिए मानव केंद्रित प्रणालियां विकसित करने के लिहाज से सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये। रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में बताया कि डीआरडीओ द्वारा इसरो को मुहैया कराई जाने वाली कुछ महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में अंतरिक्ष में भोजन संबंधी तकनीक, अंतरिक्ष जाने वाले दल की सेहत पर निगरानी, सर्वाइवल किट, विकिरण मापन और संरक्षण, पैराशूट आदि शामिल हैं। मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एचएसएफसी) के निदेशक डॉ एस उन्नीकृष्णन नैयर की अध्यक्षता में इसरो के वैज्ञानिकों के एक दल ने यहां डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के साथ करार किये जिनके तहत मानव अंतरिक्ष मिशन

से जुड़ी तकनीक तथा मानव केंद्रित प्रणालियां मुहैया कराई जाएंगी। इस मौके पर डीआरडीओ के अध्यक्ष जी सतीश रेड्डी ने कहा कि रक्षा अनुप्रयोगों के लिए डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं की मौजूदा तकनीकी क्षमताओं को इसरो के मानव अंतरिक्ष मिशन की जरूरतों के हिसाब से ढाला जाएगा।

डीआरडीओ वैज्ञानिक और महानिदेशक (जीवन विज्ञान) डॉ ए के सिंह ने कहा कि डीआरडीओ मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए इसरो को सभी जरूरी सहयोग मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसरो ने 2022 में भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने से पहले मानव के अंतरिक्ष में पहुंचने की क्षमता प्रदर्शित करने की योजना बनाई है।

भारत, ईरान ने चाबहार बंदरगाह के पूर्ण रूप से चालू होने की प्रगति की समीक्षा की

नयी दिल्ली। भारत और ईरान ने सामरिक चाबहार बंदरगाह के पूर्ण रूप से चालू होने की प्रगति समेत वर्तमान संपर्क एवं बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं की सोमवार को समीक्षा की। तेहरान में दोनों पक्षों के बीच विदेश मंत्रालय संवाद के 16वें दौर के दौरान यह समीक्षा की गयी। भारतीय पक्ष की अगुवाई विदेश सचिव विजय गोखले और ईरानी पक्ष की अगुवाई वहां के विदेश उपमंत्री सैयद अब्बास अरगाची ने की।

विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार गोखले ने ईरान के विदेश मंत्री जवाद जरीफ और सर्वोच्च नेता के सलाहकार अली अकबर वेलायती से भी भेंट की। दोनों पक्षों ने संवाद के दौरान द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण दायरे, चाबहार के शाहिद बेहिश्ती बंदरगाह के विकास, तथा भारत, ईरान एवं अफगानिस्तान के बीच त्रिपक्षीय पारगमन संधि (चाबहार संधि) वर्तमान संपर्क एवं बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। भारत ईरान के साथ मिलकर चाबहार में शाहिद बेहिश्ती बंदरगाह के पहले चरण के विकास में साझेदारी कर रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों पक्षों ने परस्पर हित के क्षेत्रीय एंव अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

पेन कार्ड को आधार से लिंक करने की डेडलाइन नजदीक

नई दिल्ली। एजेंसी

अगर आपने अभी तक अपने पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक नहीं किया है तो आपके पास 30 सितंबर तक का समय है। 30 सितंबर तक आधार और पैन कार्ड को लिंक करा दें क्योंकि उसके बाद आपका कार्ड नहीं चलेगा। उसके बाद आयकर, निवेश या लोन आदि से जुड़ा कोई भी काम नहीं कर पाएंगे। केंद्र सरकार ने 30 सितंबर तक पैन कार्ड को अपने आधार कार्ड से लिंक करवाना जरूरी कर दिया है।

इस कानून के तहत करवाना है आधार कार्ड लिंक

केंद्र सरकार ने मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) कानून के तहत बैंक अकाउंट, पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करवाना जरूरी कर दिया है। जो लोग ऐसा नहीं करेंगे, उनका पैन कार्ड अमान्य घोषित कर दिया जाएगा। हालांकि, जिन लोगों ने पहले ही अपना आधार कार्ड और पैन कार्ड आपस में लिंक कर लिया है तो उन्हें किसी बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है।

यहां चेक करें स्टेटस

सबसे पहले आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.incometaxindiaefiling.gov.in पर जाएं। बाईं तरफ 'Link Aadhaar' के विकल्प पर क्लिक करें। अपने स्टेटस को देखने के लिए 'ण्त्म्ब पा' पर क्लिक करें। नई विंडो पर पैन और आधार की डिटेल्स भरें। अपना स्टेटस चेक कर लें। अगर आधार और पैन लिंक नहीं कराया है तो तुरंत कराएं।

ऐसे घर बैठें करा सकते हैं लिंक

सबसे पहले आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.incometaxindiaefiling.gov.in पर जाएं। बाईं तरफ 'Link Aadhaar' के विकल्प पर क्लिक करें। अगर आपका अकाउंट नहीं बना है तो पहले रजिस्ट्रेशन करें। लॉगइन करने के बाद खुले पेज पर प्रोफाइल सेटिंग चुनें। अब आधार कार्ड लिंक का विकल्प चुनें। यहां अपने आधार कार्ड की जानकारी और कैप्चा कोड भरें। इसके बाद नीचे लिंक आधार के विकल्प पर क्लिक करें।

SMS के जरिए भी कर सकते हैं लिंक

SMS सेवा का इस्तेमाल करने के लिए 567678 या 56161 पर मैसेज भेज कर आधार को पैन कार्ड से लिंक करवाया जा सकता है।

44 अमेरिकी सांसदों ने ट्रंप प्रशासन पर डाला जोर

भारत को वापस मिले GSP दर्जा

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की बैठक से पहले 44 अमेरिकी सांसदों ने अपनी सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है कि भारत को फिर से GSP का दर्जा दिया जाए। इन सभी सांसदों ने ट्रंप प्रशासन को लेटर लिखकर दर्जा दोबारा बहाल करने की अपील की है। सामान्य तरजीही प्रणाली (GSP) को 5 जून को खत्म कर दिया था।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइथिजर ने 17 सितंबर को लिखे लेटर में उन्होंने जल्दी यह कदम उठाने की सलाह दी है ताकि बाकी मुद्दों की वजह से

अमेरिकी उद्योग बड़े बाजार की पहुंच के फायदों से वंचित ना रह जाए। उन्होंने कहा कि हमारे मतदाताओं को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है और इसमें हर दिन वृद्धि हो रही है। कुछ व्यक्तिगत मुद्दों को हल करने से भविष्य की सफलताओं को गति मिल सकती है।

क्या है GSP दर्जा?

GSP यानी जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज। अमेरिका द्वारा अन्य देशों को व्यापार में दी जाने वाली तरजीह की सबसे पुरानी और बड़ी प्रणाली है। इसकी शुरुआत 1976 में विकासशील में आर्थिक वृद्धि बढ़ाने के लिए की थी। दर्जा प्राप्त देशों को हजारों सामान बिना किसी शुल्क के अमेरिका को निर्यात करने की छूट मिलती है। भारत 2017 में जीएसपी कार्यक्रम का सबसे बड़ा लाभार्थी रहा। वर्ष 2017 में भारत ने इसके तहत अमेरिका को 5.7 अरब डॉलर का निर्यात किया था। अभी तक लगभग 129 देशों को करीब 4,800 गुड्स के लिए उएइ के तहत फायदा मिला है।

कुछ देशों का वापस मिला

अधिकारियों ने बताया कि उएइ वापस लेने का भारत पर आर्थिक असर बहुत अधिक नहीं है, लेकिन ये मुद्दे लंबी अवधि में बड़े बन सकते हैं। अर्जेंटीना, लाइबेरिया और म्यांमार ऐसे कुछ देश में जिनके लिए अमेरिका ने बेनिफिट बहाल कर दिए हैं। इन देशों ने इसके लिए अमेरिका की ओर से लगाई गई शर्तों को स्वीकार किया था।

अमेरिका जा रहे हैं पीएम

पीएम मोदी 21-27 सितंबर तक अमेरिकी दौरे पर होंगे, जिसके दौरान वह संयुक्त राष्ट्र की आम सभा सत्र को संबोधित करेंगे। इसके अलावा न्यू यॉर्क में कई द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौते करेंगे। ट्रंप पीएम मोदी के साथ भारतीय समुदाय के कार्यक्रम 'हाउडी मोदी' में भी शामिल होंगे।

तलचर उर्वरक इकाई के कोयला गैसीकरण के लिए सरकार ने चीन की कंपनी को दिया ठेका

नयी दिल्ली। एजेंसी

केंद्र ने बुधवार को कहा कि उसने ओडिशा में भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड (एफसीआईएल) की तलचर इकाई को कोयला आधारित गैस से चलाने के लिये चीन की कंपनी वुहान इंजीनियरिंग की सेवा ली है। इसको पटरी पर लाने के लिए 13,277 करोड़ रुपये का निवेश होने का अनुमान है। तलचर उर्वरक इकाई सालाना 12.7 लाख टन नीम कोटेड यूरिया का उत्पादन करने के लिए कोयला गैसीफिकेशन यानी कोयले से गैस बनाने की तकनीक का उपयोग करेगी। विशेष उद्देश्यीय इकाई तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) इकाई को पटरी पर लाने का काम कर रही है। उर्वरक मंत्रालय ने बयान में कहा कि ' तलचर उर्वरक इकाई के कोयले को गैस में तब्दील करने का ठेका चीन की वुहान इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को दिया गया है। उर्वरक मंत्री डी . वी सदानंद गौड़ा ने पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और उर्वरक सचिव छबीलेन्द्र राउल की मौजूदगी में यह ठेका दिया।

सीमा शुल्क विभाग द्वारा जब्त शराब को बेचने के लिए समिति बनाएगी सरकार

नयी दिल्ली। एजेंसी

सीमा शुल्क विभाग के पास जब्त शराब की 'बिक्री' के लिए राजस्व विभाग एक नयी रूपरेखा पर काम कर रहा है। जब्त शराब के लिए बोलियां नहीं मिलने की वजह से विभाग यह कदम उठाने जा रहा है। अब विभिन्न सीमा शुल्क गंतव्यों पर जब्त शराब का निपटान या बिक्री शराब निपटान समितियों द्वारा किया जाएगा। मौजूदा दिशानिर्देशों के तहत जब्त शराब को कैंटीन स्टोर्स विभाग (सीएसडी), अन्य रक्षा प्रतिष्ठानों, पर्यटन विकास निगम और होटलों को बेचा जाता है।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक सर्कुलर में कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि सीमा शुल्क विभाग के फील्ड कार्यालयों को सीएसडी या अन्य रक्षा प्रतिष्ठानों से प्रतिक्रिया नहीं मिलने की वजह से जब्त विदेशी शराब को बेचने में दिक्कत आ रही है। सर्कुलर में कहा गया है कि राज्य आबकारी विभाग और भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से मंजूरी मिलने में आने वाली परेशानियों की वजह से भी जब्त शराब के लिए बोली लगाने वाले नहीं मिल रहे हैं। वर्तमान में सीएसडी द्वारा विदेशी ब्रांड की शराब की थोक में सीधे खरीद की जा रही है।

एफएसएसएआई स्पष्ट कर चुका है कि उसकी ओर से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) हासिल किए बिना आयातित शराब को बिक्री या उपभोग के लिए बाजार में जारी नहीं किया जा सकता। यदि शराब के नमूने व्यावहारिक नहीं पाए जाते हैं तो सीमा शुल्क विभाग को उस स्टॉक को नष्ट करना होगा। शराब की बिक्री में आ रही दिक्कतों के मद्देनजर सीबीआईसी ने सीमा शुल्क के प्रधान आयुक्त या सीमा शुल्क आयुक्त को 'शराब निपटान समिति' का गठन करना होगा। यह समिति जब्त शराब के निपटान का आदेश देगी और संबंधित जांच एजेंसियों को ऐसी शराब को तेजी से निकालने के बारे में भी सलाह देगी।

सारी गांठें खोल देता है परमात्मा का प्रेम

मनुष्य जब परमात्मा की भक्ति में डूब जाता है, तो वह सांसारिक बंधनों से मुक्त हो जाता है। कर्मकाण्डों से परे हो जाता है और भाव-समाधि में लीन हो जाता है, जहां परमात्मा-प्रेम के सिवा और कुछ होता ही नहीं।

अध्यात्म

आनन्दमूर्ति गुरुमां

भक्त कहता है कि मैं उस जगह जाऊं, जिस जगह जाने पर मेरा भगवत् प्रेम बढ़े। मैं उन मनुष्यों से दोस्ती रखूं, मैं उन्हीं से रिश्तेदारी निभाऊं, जिनके पास बैठने पर मेरा विवेक बढ़े। परमात्मा का प्रेमी कभी लोक-व्यवहार की चिंता नहीं करता। अगर लोक-व्यवहार की चिंता करने लग जातीं भक्त मीरा तो क्या मीरा हो पातीं? उनकी हर बात पर पाबंदी लगी थी कि तुम गाती क्यों हो? हंसती क्यों हो? नाचती क्यों हो? बोलती क्यों हो? चुप क्यों बैठी रहती हो?

मीरा हर बात का एक ही जवाब देतीं कि जब वो बुलवाएगा, तब बोलूंगी। जब वो गवाएगा, तब गाऊंगी। जब वह हृदय की विरह को पीड़ा देगा, तब रोऊंगी। जब वो अपने घुंघरुओं की छाप मुझको सुनाएगा, तब उस छाप को सुनकर हंसूंगी भी और जब वो रसिया खुद नाचेगा, तो उसके संग नाचूंगी भी। मीरा किसी की परवाह नहीं करती हैं। इसका अर्थ यह भी नहीं है कि आप प्रेमी भी नहीं हो और ऊपर से लोक-व्यवहार की परवाह करना भी छोड़ दो। यहां बात परमात्मा के प्रेमी की हो रही है।

प्रेमी से किसी ने कहा कि तुम मेरे साथ यज्ञ में चलो। यज्ञ में आहुति देना और धर्म-कर्म में हिस्सा लेना। प्रेमी कहता है कि अब बचा ही क्या है आहुति देने को? मैंने अपने आप की आहुति दे दी है। आहुति देने के लिए आहुति देने वाला मौजूद तो होना चाहिए। मेरा तो कुछ अपना रहा ही नहीं अब। तन उसका, मन उसका, हृदय उसका, जीवन उसका। लोग हाथ में समिधा लेकर, हवन-सामग्री लेकर यज्ञ-कुंड में डालकर कहते हैं, 'स्वाहा।' परमात्मा का प्रेमी अपने आप को ही प्रेम के कुंड में डाल देता है और कहता है, 'स्वाहा।'

प्रेमी से किसी ने कहा कि आओ, जप करते हैं। प्रेमी हंसने लगा। कहता है कि किसका जप करूं? किसको याद करूं? जो मुझे कभी भूलता ही नहीं है, उसको मैं कैसे याद करूं? ऐसे प्रेम की पराकाष्ठा जिसके जीवन में आ जाए, देवर्षि नारद कहते हैं कि ऐसा भक्त लोक-व्यवहार की चिंता नहीं करता। कोई अच्छा कहे, कोई बुरा कहे, कोई भला कहे, वह परवाह ही नहीं करता। ऐसे भक्त के लिए भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि उसका योग-क्षेम मैं खुद ही करता हूं। परन्तु एक चीज याद रहे कि जब तक भक्ति की सिद्धि नहीं हुई हो, तब तक लोक-व्यवहार का त्याग न करें, अपितु कर्मफल का त्याग करके निष्काम भाव से भक्ति का साधन करते रहें। जब तक प्रेम की पराकाष्ठा भीतर पैदा न हो जाए, तब तक जप भी करें, तप भी करें, साधना भी करें, भजन भी करें, माला भी करें, ध्यान भी करें, दान भी करें, सभी पुण्य कर्म करें।

> जब तक भक्ति की सिद्धि नहीं हुई हो, तब तक लोक-व्यवहार का त्याग न करें, अपितु कर्मफल का त्याग कर निष्काम भाव से भक्ति का साधन करते रहें। जब तक प्रेम की पराकाष्ठा भीतर पैदा न हो जाए, सभी पुण्य कर्म करें।

किसी ने कहा कि जब परमात्मा मेरे भीतर ही बैठा है, तो फिर ध्यान करने की जरूरत क्या है? अरे प्यारे! यह सच है कि परमात्मा तुमसे दूर नहीं, पर अभी यह तुम्हारा अनुभव नहीं है। तुमने सिर्फ संत की वाणी सुनी है और तुम भरोसा करके बैठ गए हो। भरोसा करना अच्छी बात है, पर भरोसा करके अगर तुम साधना में जुट जाते, तुम्हें लगता कि जैसे संतों ने अपने अनुभव से जाना, ऐसे ही मैं भी जानूं, तो बात बनती।

अभी प्रेम की सिद्धि नहीं हुई है और तुमने पहले ही माला छोड़ दी। अगर माला के साथ मंत्र-जप करते-करते प्रेम की डुबकी लग जाती तो उस डुबकी के लगते ही माला भी अपने आप छूट जाती और मंत्र भी छूट जाता। भाव समाधि हो जाती। मंत्र-जप और ध्यान तुमको परमात्मा के प्रेम में गहरी डुबकी लगवा देते हैं। उसमें डूबते ही फिर माला और मंत्र सब छूट जाते हैं। यह प्रेमी प्रभु के अतिरिक्त किसी को याद ही नहीं करता, किसी से प्रीति ही नहीं करता, न ही किसी से ममता और आसक्ति करता है। अगर तुमको किसी से भी ममता है, चाहे वह कोई वस्तु हो, कोई व्यक्ति हो, कोई पदवी हो, जानो कि तुम अभी भक्ति-मार्ग पर चले ही नहीं। इस प्रेम की डुबकी लगते ही सारी गांठें अपने आप खुल जाती हैं।

पितृपक्ष पर विशेष

पूर्वजों को तृप्त करती है श्राद्ध परंपरा

सूर्यकांत द्विवेदी

हे पितृ देव, आइये पधारिए और जलांजलि ग्रहण कीजिए। पितृ पक्ष में इस लघु आह्वान से हमारे पूर्वज तृप्त हो जाते हैं। पूर्वजों के प्रति मान-सम्मान और स्मरण करने की परंपरा प्रायः सभी धर्मों में है, लेकिन सनातन परंपरा में इसका एक पक्ष (पखवाड़ा) है।

हमारे जीवन के साथ कई ऋण एक साथ चलते हैं। कई हम चुका देते हैं। जो नहीं चुका पाते, वह है मातृ ऋण। यूं मातृ ऋण ममता का प्रतीक है। पिता का वात्सल्य है। इनका स्थान हमारे जीवन में सर्वोपरि है। जीवन के साथ यह हमारे साथ चलता है और मृत्यु के बाद भी बना रहता है। अर्थात, जिन्होंने हमें मनुष्य योनि में जन्म का सौभाग्य दिया, उससे कैसे कोई उऋण हो सकता है! इसलिए, पितरों को देवतुल्य कहा गया। उनका स्थान देवस्थान है। वह हमारे साथ और हमारे घर में सदा वास करते हैं। पितृ पक्ष अपने पितरों के प्रति श्रद्धा का भाव है। तर्पण एक परंपरा है, जो शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार पितरों को तृप्त करती है।

श्रद्धा का यह शास्त्र अब नए कलेवर में है। परंपराओं का पालन हो रहा है, लेकिन नए रूप में। वर्जनाएं टूट रही हैं। महिलाएं किसी वक्त श्राद्ध कर्म नहीं करती थीं। आज बेटियां न केवल मुखाग्नि दे रही हैं, वरन श्राद्ध कर्म भी कर रही हैं। नियम-उपनियमों से आगे निकल कर वह अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का भाव दर्शा रही हैं। यूं मृत्यु उपरांत कर्मकांड या श्राद्ध की लंबी प्रक्रिया है। मुख्य आधार श्रद्धा है। वह किसी भी रूप में हो।

शास्त्रीय आधार पर देखें तो इसमें कई तरह की राहत पहले से ही है। यदि आप नियमित श्राद्ध नहीं कर पाते, तो अमावस्या को सर्वपितृ तर्पण कर सकते हैं। पितरों को याद कर स्वयं भी तर्पण कर सकते हैं। मानसिक, आध्यात्मिक और कर्मकांडीय, तीनों ही रूपों में यह कार्य हो सकता है। अर्थात, श्राद्ध कर्म होना चाहिए, भले ही वह किसी भी रूप में हो।

पितृ पक्ष हमारी पर्व परंपरा का पहला बड़ा पड़ाव है। इसके बाद पर्वों की लंबी शृंखला का प्रारम्भ हो जाता है। इसलिए, पहले पितरों का स्मरण किया जाता है, फिर देवताओं का। एक और बात। हमारे जीवन में तीन का विशेष महत्व है। आदि-अनंत, लोकाचार, लोक व्यवस्था, शरीर विज्ञान, इहलोक-परलोक सब जगह तीन ही अवस्थाएं हैं। तीन ही लोक हैं। तीन ही देवियां हैं। हमारा शरीर भी तीन हिस्सों में ही बंटा है। तीन में जीवंतता है। तीन में ही मोक्ष की अवस्था। इसलिए, श्राद्ध भी तीन पीढ़ियों तक ही है। मां के पक्ष और पिता के पक्ष से तीन पीढ़ियां। इसके पीछे मूल कारण यही है कि हमारे स्मरण, पूजा, श्रद्धा और सामाजिक दायित्वों की सीमा केवल तीन चरण तक ही है। दूसरा कारण। हम यह मानते हैं कि तीन पीढ़ियों से पहले जो हमारे पूर्वज हुए हैं, उनका दैहिक और दैविक मोक्ष हो चुका है। देवतुल्य पिता को वसु, दादा को रुद्र और परदादा को आदित्य माना गया है। तिल देवान्न है। इसलिए, तर्पण भी इसी से होता है। आमतौर पर हम यमराज की पूजा नहीं करते। लेकिन श्राद्ध पक्ष में ही हम यम के प्रतीक (गऊ, कौआ, कुत्ता) का स्मरण करते हैं।

श्राद्ध कितनी पवित्र परंपरा है कि हम उन्हें भी अमावस्या पर याद करते हैं, जिनके बारे में हमको पता नहीं होता। इसलिए, ज्ञात-अज्ञात सभी के लिए तर्पण होता है। श्राद्ध हमारा पूर्वजों के प्रति दायित्व है, जिसका आज हम पालन कर रहे हैं, क्योंकि मोक्ष हर काल और हर जीवन की अमोघ इच्छा है। हम पितरों के आशीर्वाद से तृप्त हों। पितर तृप्त हों।

आस्था स्थली: पंथपाकड़, सीतामढ़ी, बिहार

मां सीता की विश्राम स्थली

सीतामढ़ी से मात्र 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पंथपाकड़ गांव रामायणकालीन इतिहास का गवाह है। किंवदंतियों के अनुसार, इस स्थान पर स्थित एक पाकड़ के पेड़ के नीचे सीता जी ने एक रात्रि विश्राम किया था। राम-सीता विवाह के बाद अयोध्या जाते समय राजा दशरथ के काफिले ने इसी जगह पर एक रात्रि का विश्राम किया था। यह जनकपुर से बारह कोस (लगभग 38 किलोमीटर) की दूरी पर स्थित है।

आनंद रामायण के सारकांड के पृष्ठ 59 में इसका उल्लेख मिलता है। वाल्मीकि रामायण और तुलसीकृत रामचरितमानस के अनुसार, भगवान राम और भगवान परशुराम के बीच एक कटु संवाद हुआ था और किंवदंतियों के अनुसार, वह संवाद स्थल भी यह पंथपाकड़ गांव ही माना जाता है।

यहां की लोककथाओं के अनुसार, सीता जी ने रात्रि विश्राम के बाद पाकड़ के दातून से अपने दांत साफ किए थे और उस दातून को फेंक दिया था, जिससे एक विशाल पाकड़ वृक्ष का जन्म हुआ। आज यहां पर उस पाकड़ वृक्ष के साथ पाकड़ के सैकड़ों अन्य वृक्ष भी हैं। चूंकि यह पाकड़ का पेड़ अयोध्या-जनकपुर के मार्ग में है, इसलिए कालांतर में इस स्थान को पंथपाकड़ कहा जाने लगा।

पाकड़ के पेड़ों के बीच एक बड़ा तलाब है। कथाओं के अनुसार इसी तालाब में सीता जी ने स्नान भी किया था। इस जगह पर आज भी इस क्षेत्र के बड़े-बड़े विवादों का निपटारा किया जाता है। लोगों को विश्वास है कि इस स्थल पर किसी भी विवाद का सहज और सत्य निपटारा हो जाता है। साथ ही यह भी मान्यता है कि यहां के पाकड़ पेड़ के पत्तों को पीसकर पिला देने से गर्भवती महिलाओं को प्रसव पीड़ा से मुक्ति मिलती है और सहज ढंग से प्रसव हो जाता है।

यहां के पाकड़ के पेड़ों में एक विचित्र बात यह है कि पतझड़ में भी सभी पेड़ के पत्ते एक साथ नहीं गिरते हैं। यहां जानकी जी के विशाल पिण्ड के साथ ही राम-जानकी का भव्य मंदिर भी है। यहां साल भर भगवान की पूजा एवं विवाह हेतु लड़का-लड़की देखने का कार्यक्रम चलता रहता है। सीतामढ़ी-जनकपुर पथ पर होने के कारण यहां साल भर नेपाल एवं देश के विभिन्न हिस्सों से तीर्थयात्रियों का आना-जाना लगा रहता है।

> **कैसे पहुंचें**
> यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन सीतामढ़ी है, जो मात्र 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सीतामढ़ी में देश के कई शहरों से लक्जरी बसों द्वारा भी पहुंचा जा सकता है। नजदीकी हवाई अड्डा पटना है, जो यहां से करीब 150 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

बजरंगबली सिंह

दिवाली से पहले सरकार का तोहफा

6 करोड़ EPFO सदस्यों को मिलेगा 8.65 फीसदी ब्याज

नई दिल्ली। एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के छह करोड़ से अधिक सदस्यों को वित्त वर्ष 2018-19 के लिए 8.65 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने कहा कि ईपीएफओ जल्द अपने 6 करोड़ सदस्यों के खातों में ब्याज को क्रेडिट करेगा। उन्होंने कहा कि साल 2018-19 6 करोड़ सदस्यों को 8.65 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने कहा कि वित्त मंत्री 8.65 फीसदी ब्याज दर के लिए सहमत थी। इससे पहले ये खबरें आ रही थी कि वित्त मंत्रालय ब्याज दर कम करने के लिए कह रहा है। हालांकि,

अब 8.65 फीसदी की दर से ईपीएफ अंशधारकों को ब्याज मिलेगा। गंगवार ने कहा कि अब जल्द ही ये ब्याज खाताधारकों को मिलेगा।

इससे पहले श्रम मंत्रालय 2018-19 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर 8.65 प्रतिशत की ब्याज दर को जल्द अधिसूचित करेगा। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने पहले इस बात की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय को इस ब्याज दर पर किसी तरह की कोई आपत्ति नहीं है। भविष्य निधि खाताधारकों के खाते में ब्याज का पैसा जमा करने के लिए श्रम मंत्रालय की अधिसूचना की जरूरत होती है। मंत्रालय ब्याज दर को लेकर अधिसूचना जारी करता है। इसके बाद ही भविष्यनिधि के छह करोड़ से ज्यादा अंशधारकों को इसका फायदा होगा।

इसके अलावा, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) इस ब्याज दर पर भविष्य निधि कोष की निकासी के दावों का निपटान कर सकेंगे। फिलहाल, भविष्य निधि निकासी दावों के तहत ईपीएफओ 2018-19 के लिए 8.65 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान कर रही है। वहीं, वित्त वर्ष 2017-18 के लिए ईपीएफ जमा पर 8.55 प्रतिशत की ब्याज दर से ब्याज दिया गया था।

उच्च आर्थिक वृद्धि दर के लिए कृषि, निर्यात में संरचनात्मक सुधार जरूरीः कांत

मुंबई। एजेंसी

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने मंगलवार को कहा कि आर्थिक वृद्धि दर को उच्च स्तर पर लाने के लिए कृषि और निर्यात में संरचनात्मक सुधारों की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है। इससे सरकार को वैश्विक स्तर पर नरमी के बावजूद अर्थव्यवस्था को उच्च वृद्धि दर के रास्ते पर लाने में मदद मिलेगी। कांत ने यह बात ऐसे समय कही है, जब जून तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर छह साल के न्यूनतम स्तर 5 प्रतिशत पर पहुंच गई। नीति आयोग के सीईओ ने कहा, 'अगर हमें लंबे समय तक 9 से 10 प्रतिशत की दर से वृद्धि करनी है, कृषि और निर्यात में संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाना होगा।' उन्होंने कहा कि जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) और आईबीसी (ऋण शोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता) जैसे संरचनात्क सुधारों से वृद्धि पर कुछ असर पड़ा और दीर्घकाल में इन सुधारों से देश उच्च वृद्धि के रास्ते पर जाएगा। विनिवेश के बारे में कांत ने कहा कि सरकार जल्द ही कई संपत्तियों को बाजार पर चढ़ाने के लिए कदम उठाएगी।

अमेजन की एलेक्सा अब हिंदी में सुनेगी आपके निर्देश

नयी दिल्ली। एजेंसी

अमेजन एलेक्सा का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक अब हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में भी 'वॉयस कमांड' (बोलकर निर्देश देना) देकर अपने पसंदीदा काम कर सकते हैं। एलेक्सा, अमेजन का एक असिस्टेंट सॉफ्टवेयर (निर्देशानुसार काम निपटाने वाला) है। इसे निर्देश देकर क्रिकेट का स्कोर बताने, समाचार सुनने और गाने सुनने जैसे काम निपटाए जा सकते हैं। अमेजन ने इसे भारतीय बाजार में 2017 में पेश किया था। उस समय यह हिंदी, तमिल, तेलुगू, मराठी और पंजाबी जैसी स्थानीय भाषाओं में गानों, स्थानों और नामों को पहचाने में सक्षम था। लेकिन निर्देश सिर्फ अंग्रेजी में ही दिए जा सकते थे। कंपनी के उपाध्यक्ष एवं शोध प्रमुख (अलेक्सा एआई) रोहित प्रसाद ने यहां संवाददाताओं को जानकारी दी कि नए अपडेट के बाद एलेक्सा ग्राहकों के पूर्णतया हिंदी और हिंदी एवं अंग्रेजी (हिंग्लिश) मिश्रित निर्देशों को समझने में सक्षम है। एलेक्सा की प्रतिस्पर्धा एपल के सीरी और गूगल असिस्टेंट के साथ है। यह अमेजन के इको ब्लूटूथ स्पीकरों के साथ-साथ बोस, माईबॉक्स, आईबॉल और सिस्का जैसे ब्रांड के उत्पादों में उपलब्ध है। प्रसाद ने कहा कि भारत ने हमारी एआई (कृत्रिम मेधा) टीम

को अपनी सांस्कृतिक और भाषायी विविधता से चुनौती दी, जिस पर हमने काम किया और यह सुनिश्चित किया कि ग्राहक एलेक्सा के साथ क्षेत्रीय भाषाओं में बातचीत कर सकें।

भूख से लड़ाई में गरीब देशों का कार्बन उत्सर्जन बढ़ेगा : शोध

वॉशिंगटन। एजेंसी

विकासशील देशों में पोषक आहार लक्ष्य प्राप्ति की प्रक्रिया में ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ेगा और पानी की खपत भी बढ़ेगी। ऐसे में वैज्ञानिकों ने उच्च आय वर्ग में आने वाले देशों से अनुरोध किया है कि वे वनस्पति आधारित आहार को अपनाने की दिशा में तेजी से बढ़ें। जॉन हॉपकिंग्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक मॉडल विकसित किया है जिसके जरिए पता लगाया है कि 140 देशों में आहार के तरीकों में बदलाव लाने पर व्यक्तिगत स्तर और देश के स्तर पर ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन और ताजे पानी के इस्तेमाल पर क्या असर पड़ेगा। यह शोध जर्नल ग्लोबल इनवायरमेंटल चेंज में प्रकाशित हुआ है।वरिष्ठ शोधकर्ता कीव एन ने एएफपी को बताया कि जलवायु परिवर्तन को लेकर जितनी भी चर्चा होती है उसमें इस बात की ओर ध्यान ही नहीं दिया जाता कि दुनिया के कई हिस्से पोषण की कमी के संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, उन्हें इससे उबारने के लिए जरूरी है कि वे ज्यादा आहार लें और इसके कारण उनका कार्बन उत्सर्जन बढ़ेगा।

PF पर ब्याज दर में वृद्धि को वित्त मंत्रालय की मंजूरी, 2018-19 के लिए 8.65 फीसदी मिलेगा ब्याज

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के 6 करोड़ से अधिक सदस्यों के लिए खुशखबरी है। सरकार ने त्योहारी सीजन से पहले पीएफ बर ब्याज दर वृद्धि को मंजूरी दे दी है। वित्त वर्ष 2019-19 के लिए 8.65 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। ईपीएफओ के लिए निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने पिछले वित्त वर्ष के लिए इस साल फरवरी में 8.65 फीसदी ब्याज दर को मंजूरी दी थी। इसके बाद प्रस्ताव को मंजूरी के लिए वित्त मंत्रालय के पास भेजा गया था। संतोष गंगवार ने यहां एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से कहा, 'फेस्टिवल सीजन से पहले, 'ईइध के 6 करोड़ से अधिक सदस्यों को 2018-19 के लिए जमा राशि पर 8.65 फीसदी ब्याज मिलेगा।' वर्तमान में ईपीएफओ खातों में दावों का निपटान 8.55 प्रतिशत की ब्याज दर पर किया जा रहा है। यह दर 2017-18 के दौरान लागू थी। 2017-18 में मिला ब्याज पांच साल में सबसे कम है। 2016-17 में ब्याज दर 8.65इ, 2016-17 में 8.8 फीसदी थी। 2013-14 और 2014-15 में कर्मचारियों को 8.75 फीसदी ब्याज मिला। 2012-13 में 8.5 फीसदी ब्याज दिया गया था।

टीवी उद्योग ने ओपन सेल पैनल पर शुल्क हटाने का स्वागत किया, विनिर्माण लागत में आएगी कमी

नयी दिल्ली। टेलीविजन उद्योग ने सरकार की ओर से ओपन सेल टीवी पैनल के आयात पर सीमा शुल्क हटाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस कदम से घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार देर रात अधिसूचना में कहा , ' एलसीडी और एलईडी टीवी के विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले ओपन सेल टीवी पैनल (15.6 इंच और उससे ऊपर) पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। ' टीवी निर्माताओं ने कहा कि इस कदम से विनिर्माण लागत में तीन प्रतिशत तक की कमी होगी। हालांकि , उपभोक्ताओं के लिए कीमतें पुराने स्तर पर ही रहने की संभावना है। सरकार की ओर से यह घोषणा त्योहारी सीजन की बिक्री से ठीक पहले की गई है और इससे एलईडी टीवी पैनल की बिक्री पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

हिंडाल्को का डीजेएसआई 2019 की इमर्जिंग मार्केट्स कैटेगरी में पदार्पण

■पर्यावरण हितैषी काम और उच्च गुणवत्ता के चलते पाया खास स्थान

■हिंडाल्को दुनिया की टॉप तीन एल्युमिनियम कंपनियों में से एक और भारत की एकमात्र कम्पनी

■डो जोन्स इमर्जिंग मार्केट्स सस्टेनबिलिटी इंडेक्स में शामिल भारत की 12 कंपनियों में से एक है हिंडाल्को

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एस एन्ड पी डो जोन्स सस्टेनबिलिटी इनडाइसेस (डीजेएसआई) के वर्ष 2019 के संस्करण में जगह बनाने में कामयाबी पाई है। आदित्य बिरला ग्रुप की 48.3 बिलियन डॉलर वाली मैटल फ्लैगशिप 'हिंडाल्को' को इसके सफल संचालन, सामाजिक तथा पर्यावरण संबंधी अभियानों के लिए यह सम्मान प्राप्त हुआ है और इस वर्ष इस सूची में स्थान पाने वाली यह भारत की एकमात्र एल्युमिनियम निर्माता है।

डीजेएसआई, कॉर्पोरेट सस्टेनबिलिटी के लिए सबसे प्रतिष्ठित मापदंड है, जो कॉर्पोरेट, पर्यावरणीय, सामाजिक तथा संचालन (ईएसजी) प्रैक्टिस को मापने और उसे आगे बढ़ाने के लिए एक विश्वस्तरीय मानक के तौर पर काम करता है। इसकी सूची में इसी साल नया-नया शामिल हुआ हिंडाल्को, इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स की सूची में सम्मिलित 98 कंपनियों में से एक है। यह इस सूची में स्थान बनाने वाली 12 भारतीय कंपनियों में से एक है और ऐसा करने वाली यह भारत की एकमात्र एल्युमिनियम मेन्यूफेक्चरर है। हिंडाल्को के डीजेएसआई स्कोर ने इसे दुनिया की टॉप तीन एल्युमिनियम कंपनियों में से एक बना दिया है।

सतीश पई, एमडी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इस अवसर पर कहा- 'मुझे गर्व है कि हिंडाल्को सफलतापूर्वक डीजेएसआई के आवश्यक मानदंडों पर खरी उतरी।' उन्होंने आगे कहा-'यह उपलब्धि दर्शाती है कि सस्टेनबिलिटी किस खूबी से हिंडाल्को का अभिन्न अंग बन गई है. हमारे इस प्रदर्शन के पीछे स्थित तीन महत्वपूर्ण आधार स्तम्भ हैं- लचीलापनः जो कि कम

एलएमई (लंदन मैटल एक्सचेंज) के वातावरण में भी बना रहा तथा जिसने हमें संसाधनों की सुरक्षा तथा विविध, संतुलित प्रोडक्ट मिक्स पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर दिया, विश्वसनीयताः जिसे हमने मेन्युफेक्चरिंग में सर्वोत्तम परिणाम देने पर ध्यान केंद्रित करके, सप्लायर के रिस्क का निर्धारण करके उसमें कमी लाकर और ग्राहक को केंद्र में रखने जैसे बिंदुओं का ख़ास ध्यान रखकर पाया है, तथा जिम्मेदारीः जो हमने पर्यावरण निरंतरता सुरक्षा तथा जन अभियानों के साथ जुड़कर निभाने का हर सम्भव प्रयास किया है'। 'सबसे बढ़कर इस निर्धारण ने हमें एक ऐसा स्कोरकार्ड दिया है जो हमें ख़ास ध्यान देने लायक क्षेत्रों को पहचानने और उनके सुधार हेतु काम करने के लिए प्रेरित करता है। डीजेएसआई का स्कोर हमें और भी अधिक अच्छे परिणाम प्रदान करने के लिए आगे बढ़ने को प्रतिबद्ध करता है'।

हिंडाल्को ने आर्थिक तथा पर्यावरण संबंधी आयामों में कुल मिलाकर 75 वां पर्सेंटाइल प्राप्त किया है. सभी तीन आयामों में हिंडाल्को को एक से अधिक पहलू के लिए 100 पर्सेंटाइल प्रदान किये गए हैं, जिसमें रिस्क एन्ड क्राइसिस मैनेजमेंट, कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट, सस्टेनबिलिटी रिपोर्टिंग, ऑपरेशनल इको-इफिशिएंसी, ह्यूमन कैपिटल डेवलपमेंट तथा कॉर्पोरेट सिटिजनशिप एवं परोपकार शामिल हैं।

यह स्कोर हिंडाल्को के उद्देश्य -'मेन्युफेक्चरिंग मटेरियल्स जो दुनिया को अधिक हरियाली से भरा, मजबूत और स्मार्ट बनाते हैं, की पुष्टि करता है।

वृद्धि के लिए एक लचीला, जिम्मेदार और विश्वसनीय मॉडल बनाने को प्रतिबद्ध हिंडाल्को ने कई इनोवेटिव कदम आगे बढ़ाये हैं. निरंतर प्रक्रियारत कंपनियों में नवीनीकरण योग्य ऊर्जा के उपयोग के मार्ग में आने वाली चुनौतियों के बावजूद हिंडाल्को ने उड़ीसा में एक 30 एमवी कैप्टिव सोलर पावर प्लांट तथा महाराष्ट्र में एक 4 एमवी कैप्टिव हाइड्रल पावर प्रोजेक्ट स्थापित किया है. भारत का पहला हलके वजन वाला एल्युमिनियम बल्कर जो ट्रांसपोर्टर्स को साल भर में 13,000 लीटर ईंधन बचाने में मदद करता है, उसे हिंडाल्को द्वारा ही विकसित किया और व्यावसायिक बनाया गया है. कम्पनी ने हाल ही में एक ऐसे नए रीसायकल हो सकने वाले पैकेजिंग मटेरियल को लॉन्च किया है जो प्लास्टिक की जगह ले सकेगा।

हिंडाल्को द्वारा उत्पादित एल्युमिनियम को एक सुपरमेटल के तौर पर माना जा सकता है, यह मजबूत, कम वजन वाला तथा बहुत हद तक रीसायकल किया जा सकने वाला है, यहाँ यह भी जानना जरूरी है कि एल्युमिनियम को रीसायकल करने में प्रायमरी मैटल के उत्पादन की तुलना में 95 प्रतिशत कम ऊर्जा की खपत होती है जो इसको पर्यावरण हितैषी बनाती है।

Reliance
POLYMERS

Indore Depo :
131-132, Industrial Area,
Sector-D, Sanwer Road, Indore

Gwalior Depo :
C/o Bhagwati Cools Pvt.Ltd.
37-B, Maharajpura Industrial
Area, Gwalior

Raipur Depo :
C/o, Sun & Sun Cold Storage Pvt.Ltd.
Godown No.2, Industrial Area,
Bilaspur Road, Bhanpuri, Raipur

distribution redefined
AVJ POLYMER INDIA LLP
DEALER : RELIANCE INDUSTRIES LTD. FOR MP & CG
133, Industrial Area, Sector-D,
Sanwer Road, Indore (M.P.)
Ph: +91 731 2973343
Email : avjpolymer@gmail.com Website : www.avjpolymer.com

Vikas Bangard Mob- 9179161616
Vishal Soni Mob- 9826700343
Ashish Jain Mob- 9425044944
Rakesh Biyani Mob- 9109195565

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।